

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

13.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2525 का उत्तर

भारतीय रेलवे में कार्यबल उत्पादकता, स्वास्थ्य सेवा रिक्तियां और एआई का उपयोग

2525. डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या रेलमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या मंत्रालय ने प्रत्येक रेलवे कर्मचारी से अधिकतम कार्य उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट कदम उठाए हैं, जिनमें संरचित प्रोत्साहन पहलें और उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण शामिल हैं;
- (ख) क्या प्रत्येक रेलवे कर्मचारी के कार्यभार का नियमित आकलन और युक्तिकरण करने के लिए कोई पारदर्शी, प्रौद्योगिकी आधारित प्रणाली शुरू की गई है;
- (ग) रेलवे अस्पतालों और औषधालयों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों को भरने के लिए क्या कार्रवाई की गई है; और
- (घ) क्या मंत्रालय ने सुरक्षा, रखरखाव, मानव संसाधन प्रबंधन, चिकित्सा सेवाओं और यात्री संपर्क जैसे रेलवे कार्यों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लागू करने के लिए कोई व्यापक योजना बनाई या कार्यान्वित की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल ने संरचित क्षमता निर्माण और उन्नत प्रशिक्षण के माध्यम से रेल कर्मचारियों की कार्य उत्पादकता, अभिप्रेरणा और व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। भारतीय रेल में क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन हेतु सुस्थापित प्रशिक्षण ढांचे द्वारा समर्थित निरंतर और संस्थागत प्रक्रियाएं हैं।

भारतीय रेल ने रेल कर्मचारियों हेतु एक व्यापक प्रशिक्षण परितंत्र विकसित किया है, जिसमें कर्मचारियों को करियर के विभिन्न चरणों में उनका कौशल सुनिश्चित करने, कौशल पुनः सिखाने और कौशल बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं। इस उद्देश्य के लिए केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, बहु-विषयक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, बहु-विषयक मंडल प्रशिक्षण संस्थान और विशेष प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में व्यापक प्रशिक्षण अवसंरचना बनाई गई है

जिसमें कर्मचारियों की सेवा के विभिन्न चरणों में प्रवेशन, पुनश्चर्या, पदोन्नति और तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

कर्मचारियों की क्षमताएं सुदृढ़ करने और रेल कर्मियों को आधुनिक, प्रौद्योगिकी-गहन रेल परिचालन के लिए अपेक्षित कौशल से लैस करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाए गए हैं। रेल परिचालन और अनुरक्षण में नई प्रौद्योगिकियाँ शामिल करने के लिए इन मॉड्यूल को समय-समय पर अद्यतन भी किया जाता है।

इरीसेट में कवच उत्कृष्टता केंद्र, जैसी विशेषज्ञता पहलकदमियां सी-डैक के समन्वय से आने वाली प्रौद्योगिकियों (डाटा साइंस, एआई एप्लीकेशन, बिग डाटा एनालिटिक्स, ब्लॉक चेन और क्लाउड कंप्यूटिंग आदि सहित)के लिए पाठ्यक्रम और फ्रंटलाइन कार्मिकों के लिए व्यावहारिक तथा सेवा अभिविन्यास प्रशिक्षण के लिए मिशन रेल कर्मयोगी कार्यक्रम उत्पादकता और कुशलता संवर्धन में और अधिक योगदान देते हैं। कर्मचारियों के निरंतर कौशल बढ़ाने और उन्हें पुनः कौशल सिखाने के लिए आई-जीओटीकर्मयोगी पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन सीखने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इसके अलावा, कर्मचारियों की भलाई और मनोबल बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण के दौरान और कार्यस्थलों पर योग सत्र, शारीरिक फिटनेस गतिविधियों और तनाव प्रबंधन कार्यक्रमों सहित प्रेरक और कल्याणकारी पहलों को बढ़ावा दिया जाता है।

भर्ती

वर्ष 2004-2005 से 2013-2014 की तुलना में 2014-15 से 2025-26के दौरान भारतीय रेल में की गई भर्तियों का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	भर्तियां
2004-2005 से 2013-2014	4.11 लाख
2014-2015 से 2024-2025	5.08 लाख
2025-26 अब तक	41,343

भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और परिचालन महत्व को ध्यान में रखते हुए पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों, यंत्रीकरण और नवोन्मेषी पद्धतियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति मुहैया कराई जाती है। इन रिक्तियों को मुख्यतः परिचालनिक और प्रौद्योगिकीय संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार रेलवे द्वारा भर्ती एजेन्सियों को मांग पत्र भेजकर भरा जाता है।

वर्तमान में, वार्षिक कैलेंडर 2024 और 2025 के अनुसार भारतीय रेल में 1,43,086 रिक्तियों पर अराजपत्रित कर्मचारियों की भर्तियां शुरू की गई हैं।

सहायक लोको पायलटों (एएलपी), तकनीशियनों, रेलवे सुरक्षा बल (रे.सु.ब.) में उप-निरीक्षक और कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर (जेई)/डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस)/रसायन एवं धातुकर्म

सहायक (सीएमए), पैरामेडिकल कोटियों, गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक), गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (पूर्व-स्नातक), अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों और लेवल-1 कोटियों जैसे सहायक, ट्रैक मेंटेनर और पॉइंट्समैन के पदों को भरने के लिए जनवरी से दिसम्बर 2024 के दौरान 92,116 रिक्तियों के लिए दस केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) अधिसूचित की गई थीं।

92,116 पदों के लिए प्रथम/एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) पूरी की जा चुकी है। इनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	18,40,347	156	15
तकनीशियन के पद (14,298 रिक्तियां तकनीशियन ग्रेड-1 सिगनल सहित) हेतु सीबीटी	26,99,892	139	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	11,01,266	146	15
रे.सु.ब.- एस.आई के पद (452 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	15,35,635	143	15
रे.सु.ब. - कांस्टेबल के पद (4208 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	45,30,288	147	15
पैरामेडिकल कोटियों (1376 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	7,08,321	143	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) (8113 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	58,41,774	141	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक) (3445 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	63,27,473	157	15
अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों हेतु सीबीटी (1,036 रिक्तियां)	4,46,013	139	15
स्तर-1 पद हेतु सीबीटी (32438 रिक्तियां)	1,08,28,261	152	15
कुल अभ्यर्थी	3,58,59,270		

सहायक लोको पायलट, जेई/डीएमएस/सीएमए और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक एवं पूर्व स्नातक) के पदों के लिए द्वितीय चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) भी पूरी कर ली गई है। इनका ब्यौरा इस प्रकार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	2,66,363	112	15

जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,17,339	118	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) (8113 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,21,931	129	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक) (3445 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	51,978	79	15
कुल अभ्यर्थी	5,57,611		

सहायक लोको पायलट (एएलपी) और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) पद के लिए कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा (सीबीएटी) तथा गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक), अनुसचिवीय और पृथक कोटियों के लिए कंप्यूटर आधारित कौशल परीक्षा भी पूरी कर ली गई है। इसका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद	1,32,044	84	2
अनुसचिवीय और पृथक कोटियों के लिए अनुवाद परीक्षा	1,233	8	2
गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के लिए सीबीएटी	13,616	38	2
गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के लिए कंप्यूटर आधारित टंकण कुशलता परीक्षा (सीबीटीएसटी)	30,341	58	2
गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (पूर्व स्नातक) के लिए कंप्यूटर आधारित टंकण कुशलता परीक्षा (सीबीटीएसटी)	13,145	44	2
कुल अभ्यर्थी	1,90,379		

41,000 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए पैनलको अंतिम रूप दिया गया है। जिसमें तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरा मेडिकल कोटियों, उप-निरीक्षक (आरपीएफ) और सहायक लोको पायलटों के पद शामिल हैं, इनमें से अधिकांश संरक्षा कोटियां हैं।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, 50,970 रिक्तियों के लिए नौ केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएँ भी जारी की गई हैं। इनका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या	पद का नाम	अधिसूचित की गई रिक्तियों की संख्या	अधिसूचना जारी करने का माह
01/2025	सहायक लोको पायलट	9,970	मार्च 2025
02/2025	तकनीशियन	6,238	जून 2025

03/2025	पैरा मेडिकल कोटि	434	जुलाई 2025
04/2025	सेक्शन कंट्रोलर	368	अगस्त 2025
05/2025	जूनियर इंजीनियर/डिपो सामग्री अधीक्षक	2,585	अक्टूबर 2025
06/2025	गैरतकनीकी लोकप्रिय कोटियां - (स्नातक)	5,810	अक्टूबर 2025
07/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक)	3,058	अक्टूबर 2025
08/2025	पृथक कोटियां	312	दिसंबर 2025
09/2025	स्तर-1	22,195	दिसंबर 2025

2,953 पदों के लिए प्रथम/एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) पूरी की जा चुकी है। इनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
खंड नियंत्रक पद हेतु सीबीटी (368 रिक्तियां)	4,33,748	131	15
जेई/डीएमएस पद हेतु प्रथम चरण सीबीटी (2585 रिक्तियां)	5,74,351	133	15
कुल अभ्यर्थी	10,08,099		

रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाएं काफी तकनीकी प्रकृति की होती हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर कर्मियों और संसाधनों को जुटाने तथा जनशक्ति के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। रेलवे ने इन सभी चुनौतियों का सामना किया और सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती का सफलतापूर्वक संचालन किया। पूरी प्रक्रिया के दौरान पेपर लीक होने या इसी तरह के कदाचार की कोई घटना सामने नहीं आई है।

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने 2024 से समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर शुरू होने से अभ्यर्थी निम्नानुसार लाभान्वित हो रहे हैं:

- अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;
- प्रति वर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;
- परीक्षाओं की निश्चितता;
- भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।

समग्र रूप से मंत्रालय के लिए भारतीय रेल स्वास्थ्य सेवा में भर्तियां संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा, 2004-2013 के दौरान 2277 डॉक्टरों की भर्ती की तुलना में, 2014-2025 के दौरान 5140 डॉक्टरों की भर्ती की गई है। इसके अलावा वर्ष 2025

और 2026 के लिए यूपीएससी में 620 डॉक्टरों के लिए एक मांगपत्र प्रस्तुत किया गया था। चयनित डॉक्टरों के कार्यभार ग्रहण करने में कमी को पूरा करने के लिए, यूपीएससी द्वारा अनुशंसित नियमित चयनित उम्मीदवारों के शामिल होने तक सीएमपी (कॉन्ट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स) को स्पष्ट रिक्तियों के तहत नियुक्त करने का प्रावधान है। यह केवल अस्थायी प्रकृति की एक कामचलाऊ व्यवस्था है। प्रत्येक अनुबंध की अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं होती है और प्रत्येक अवधि को एक नए अनुबंध के रूप में माना जाता है। 31.12.2025 की स्थिति के अनुसार क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाइयों में कुल 569 सीएमपी कार्यरत थे।

आधुनिक प्रौद्योगिकियां अपनाना

भारतीय रेल में प्रौद्योगिकी संबंधी सुधार करना सतत प्रक्रिया है। कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)/मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) आधारित ऐप्लिकेशन विकास संबंधी क्षेत्र हैं। भारतीय रेल में संस्थापित/प्रायोगिक कुछ मुख्य प्रौद्योगिकियाँ निम्नानुसार हैं:

1. **मशीन विजन निरीक्षण प्रणाली (एमवीआईएस):** एमवीआईएस एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)/मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित प्रणाली है जो चलती गाड़ियों में किसी भी प्रकार के लटकते हुए, ढीले या लापता पुर्जों का पता लगाने पर चेतावनी देते हैं।

माल ढुलाई स्टॉक के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में तीन (03) डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) में दो (02) और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में एक (01) एमवीआईएस को प्रायोगिक आधार पर स्थापित किया गया है। इसके अलावा, माल ढुलाई स्टॉक के लिए भारतीय रेल नेटवर्क पर चार (04) एमवीआईएस लगाने के लिए भारतीय रेल और डीएफसीसीआईएल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इसके अलावा, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) ने उद्योग के साथ मिलकर रुचि का अभिव्यक्ति (ईओआई) के माध्यम से चल स्टॉक के लिए एमवीआईएस को विकसित किया है।

2. **व्हील इम्पैक्ट लोडिंग टेक्टर (डब्ल्यूआईएलडी):** डब्ल्यूआईएलडी एक वे-साइड निरीक्षण प्रणाली है जो चल स्टॉक में खराब पहिए की पहचान करने के लिए रेलपथ पर पहिए के प्रभाव को मापती है। भारतीय रेल पर ऐसी 24 प्रणालियां संस्थापित की गई हैं।
3. **चल स्टॉक की ऑनलाइन निगरानी (ओएमआरएस):** ओएमआरएस एक वे-साइड निरीक्षण प्रणाली है जो चल स्टॉक के बेयरिंग और पहियों के स्थितियों की निगरानी करती है। भारतीय रेल पर ऐसी 25 प्रणालियां संस्थापित की गई हैं, जिनमें से दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में सिरपुर कागज़नगर में एक (01) ओएमआरएस लगाई गई है।
4. **एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस):** आईटीएमएस को रेलपथ के व्यापक निरीक्षण और निगरानी के लिए लगाया गया है। आईटीएमएस रेल की पटरियों, स्लीपरों और फास्टनिंग जैसे रेलपथ घटकों में दोषों की निगरानी और पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग और इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करता है। आईटीएमएस से प्राप्त डाटा का पटरियों के तत्काल और नियोजित रखरखाव के लिए विश्लेषण किया जाता है। वर्तमान में भारतीय रेल के रेलपथ की रिकॉर्डिंग और निगरानी के लिए तीन (03) आईटीएमएस लगाए गए हैं। इससे बेहतर

रेलपथ रखरखाव नियोजन, बेहतर संरक्षा, रेलपथ परिसंपत्तियों की बेहतर विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता में सहायता मिलती है

5. **अंतर्वेध संसूचन प्रणाली (आईडीएस):** रेलपथ पर हाथियों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल के 141 मार्ग किलोमीटर रेलखंड पर डिस्ट्रिब्यूटेड अकॉस्टिक सेंसर (डीएस) का उपयोग करके एआई-चालित अंतर्वेध संसूचन प्रणाली (आईडीएस) विकसित की गई है। यह प्रणाली लोको पायलटों, स्टेशन मास्टर्स और नियंत्रण कक्ष को रेलपथ के समीप हाथियों की आवाजाही के बारे में चेतावनी देने के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि समय पर निवारक कार्रवाई की जा सके।
6. **शिरोपरि उपकरण की ड्रोन आधारित निगरानी:** शिरोपरि उपकरण (ओएचई) की थर्मल इमेजिंग के साथ ड्रोन आधारित निगरानी को प्रायोगिक आधार पर रायपुर मंडल में शुरू किया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेल ने आईआईटी मद्रास के सहयोग से शिरोपरि उपकरण के ड्रोन आधारित हवाई निरीक्षण का विकास किया है जो एआई/एमएल का उपयोग करके कैप्चर किए गए डेटा का विश्लेषण भी करेगा।
7. **त्रि-नेत्र:** अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन ने कोहरे, बारिश और खराब मौसम के दौरान लोको पायलटों की सहायता प्रदान करने के लिए त्रि-नेत्र (टेरेन इमेजिंग फॉर लोकोमोटिव ड्राइवर्स-इन्फ्रा-रेड, एन्हांस्ड ऑप्टिकल एंड रेंजिंग डिवाइस असिस्टेड) का विकास किया है। इस प्रणाली में ऑप्टिकल कैमरा, इन्फ्रा-रेड कैमरा और रेंजिंग डिवाइस (जैसे रडार/लिडार) और लोको पायलटों की सहायता के लिए तत्समय पर एआई के माध्यम से उन्नत दृष्टि प्रणाली बनाना शामिल हैं।
8. **रेल मदद और यात्री आरक्षण प्रणाली:** परिचालनिक दक्षता में सुधार लाने के लिए यात्री सेवा क्षेत्र (रेल मदद और यात्री आरक्षण प्रणाली) में, माल ढुलाई परिचालन (मालगाड़ियों के आने के अनुमानित समय की भविष्यवाणी) और उतराई/लदान समय की भविष्यवाणी के लिए एआई/एमएल मॉडल क्रियान्वित किए गए हैं।
9. **कवच:**
 - i) कवच एक स्वदेश विकसित स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली (एटीपी) है। कवच अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए सर्वोच्च स्तर के संरक्षा प्रमाणन (एसआईएल-4) की आवश्यकता होती है।
 - ii) यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वचालित ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है और यह खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को संरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है।
 - iii) दक्षिण मध्य रेल के 1465 मार्ग किलोमीटर पर कवच संस्करण 3.2 के संस्थापन और प्राप्त अनुभव के आधार पर आगे और सुधार किए गए। अंततः आरडीएसओ द्वारा दिनांक 16.07.2024 को कवच विशिष्ट संस्करण 4.0 को अनुमोदित किया गया।
 - iv) कवच संस्करण 4.0 में किए गए प्रमुख सुधारों में अवस्थिति सटीकता में वृद्धि, बड़े यार्डों में सिगनल संबंधी पहलुओं की बेहतर जानकारी, ओएफसी पर स्टेशन-से-स्टेशन

कवच इंटरफ़ेस और मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से सीधा इंटरफ़ेस शामिल है।

- v) व्यापक और विस्तृत परीक्षाओं के बाद, कवच संस्करण 4.0 को उच्च घनत्व वाले दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्गों को कवर करते हुए 1452 मार्ग किलोमीटर पर निम्नानुसार सफलतापूर्वक चालू किया गया है:

क्र.सं.	खंड	प्रगति (मार्ग कि.मी.)
(1)	दिल्ली-मुंबई मार्ग:	
i	जंक्शन केबिन - पलवल - मथुरा - नागदा खंड	667
ii	वडोदरा - अहमदाबाद खंड	96
iii	वडोदरा - विरार खंड	336
(2)	दिल्ली-हावड़ा मार्ग:	
i	गया सरमाटांड खंड	93
ii	छोटाअमबाना - बर्द्धमान - हावड़ा खंड	260

- vi). इसके अलावा, भारतीय रेल के सभी जीक्यू, जीडी, एचडीएन और चिह्नित रेलखंडों को कवर करते हुए 24,427 मार्ग किलोमीटर पर कवच के रेलपथ साइड कार्यों का कार्यान्वयन प्रारंभ किया गया है। 28.02.2026 की स्थिति के अनुसार कवच के प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

क्रम संख्या	मद	प्रगति
i.	ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना	8570 कि.मी.
ii.	दूरसंचार टावरों का संस्थापन	1100 अदद
iii.	स्टेशन डेटा सेंटर	767 स्टेशन
iv.	रेलपथ साइड उपकरणों का संस्थापन	6776 मार्ग कि.मी.
v.	रेलइंजनों में कवच का प्रावधान	4,154 अदद

- vii इसके अलावा, 8979 रेल इंजनों और 1200 ईएमयू/मेमू गाड़ियों में कवच संस्थापना का कार्य शुरू किया गया है।

10. भारतीय रेल और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के बीच 4 अदद स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली (एडब्ल्यूपीएमएस) लागू करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली रेलगाड़ी के पहियों का प्रोफाइल का स्वचालित गैर-संपर्क मापा जाना करने में सक्षम है, जिससे पहियों का आकार और घिसाव का वास्तविक समय पर मापा जाना सुनिश्चित होता है। इन 4 प्रणालियों को लगाने के लिए चिह्नित स्थान निम्नानुसार हैं:

- क. मध्य रेलवे के मुंबई मंडल पर लोकमान्य तिलक टर्मिनस कोचिंग डिपो
 ख. उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल पर आनंद विहार टर्मिनल कोचिंग डिपो

ग. उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल पर तुगलकाबाद माल डिब्बा डिपो के पास
घ. पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल पर पंडित दीन दयाल
उपाध्याय माल डिब्बा डिपो के पास

11. रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र ने 13 अनुसूचित भाषाओं में से किसी भी भाषा में उपयोगकर्ता की शिकायतों के निपटान के लिए स्वचालित भाषा अनुवाद हेतु डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
12. रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) ने रेलगाड़ी परिचालन के क्षेत्र में दक्षता बढ़ाने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
13. रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र ने परिवहन और संबंधित क्षेत्रों में जनरेटिव एआई को अपनाने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
14. भारतीय रेल में सिगनल प्रणाली के एआई-संचालित पूर्वानुमानित रखरखाव से संबंधित प्रायोगिक पहल शुरू की जा रही है।

रेल टेक नीति: इसके अलावा, लागत प्रभावी, कार्यान्वयन योग्य और स्केलेबल समाधानों के विकास का समर्थन करने के लिए, जिसमें एआई और डेटा-संचालित प्रौद्योगिकियों पर आधारित समाधान भी शामिल हैं, भारतीय रेल द्वारा 26.02.2026 को रेल टेक नीति नामक एक नई नीति अपनाई गई है और नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए एक पोर्टल (<https://railtech.indianrailways.gov.in>) लॉन्च किया गया है।

उपरोक्त प्रस्तावित नीति से भारतीय रेल में नई प्रौद्योगिकियों को शीघ्र अपनाने में सुविधा प्राप्त होगी।
